SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd year SESSION – 2020 - 2022

SUBJECT - Assessment for learning

TOPIC NAME – Assessment of learning [Concept of Evaluation] Unit-2

DATE - 18-01-2022

ग्रेड प्रणाली Grading System

B.Ed 2nd year Unit 2

शैक्षिक प्रयासो के फलस्वरूप छात्रों के द्वारा की जाने वाली शैक्षिक प्रगति का मापन एवं मूल्यांकन करना निःसन्देह अत्यन्त आवश्यक है।

- अभिभावकों के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि वे अपने आश्रितों की शैक्षिक प्रगति को समय-2 पर जानकर उनको सही दिशा-निर्देश दे सकें, छात्रों को स्वयं की शैक्षिक उपलब्धि का ज्ञान होना, इसलिए आवश्यक होता है कि वे आवश्यकतानुसार अपनी अधिगम शैली तथा आदतों को परिवर्तित कर सकें तथा नियोजनकर्ताओं को शैक्षिक प्रगति का ज्ञान इसलिए आवश्यक रहता है जिससे वे तदनुसार उपयुक्त शैक्षिक योजनाएँ तैयार कर सकें।
- अभिभावकों के लिए यह जानना अत्यन्त उपयोगी हो सकता है कि उनके शिक्षण से छात्र किस सिमा तक लाभ उठा रहे हैं।
- भारतीय मानसिकता के अनुसार उत्तर की जाँच करते समय शिक्षक/परीक्षक के मन में अंक पहले आते हैं और बाद में उन्हें ग्रेड में बदला जाता है।
- यह ग्रेडिंग प्रणाली की मूल आत्मा का हनन है, हमें अंक देने की प्रथा को त्यागना होगा

ग्रेड प्रणाली का शाब्दिक विवेचन Verbal Description of Grading system

पाँच बिन्दु ग्रेड प्रणाली (5 point Grading System)

ग्रेड →	A	B	C	D	E
अंक →	4	3	2	1	0
शाब्दिक अर्थ → Verbal Meaning	विशिष्ट out standing	उत्तम Above Average	औसत Average	निम्न Below Average	अनुत्तीर्ण Fail

सात बिन्दु ग्रेड प्रणाली (7 point Grading System)

ग्रेड →	O	A	B	C	D	E	F
अंक →	6	5	4	3	2	1	0
शाब्दिक अर्थ Verbal Meaning	विशिष्ट out standing	अति उत्तम very Good	उत्तम Good	औसत Average/Fair	संतोषप्रद Statisfactory	निकृष्ट poor	अत्याधिक निकृष्ट very poor

.E.RT (National Concil of Education Research and Training)

9 Grading system

	A	B	C	D	E	F	G	H	I
	90% अधिक	80% - 89%	70 - 79%	60% - 69%	50 - 59%	40% - 49%	30% - 39%	20 - 29%	20% से
शाब्दिक अर्थ verbal meaning	श्रेष्ठ	उत्तम Good	बहुत अच्छा very Good	अच्छा Good	औसत से उच्च	औसत Average	औसत से निम्न	सीमान्त	असन्तोषजनक

CGPA (Comulative Grade paint Average)

CGPA is an educational grading System.
It is used in schools and College to ~~measure~~ measure the overall academic performance of a student with the Calculation of CGPA students are allotted grades (A, B, C, D, F)

SGPA (Semester Grade paint Average)

The ~~per~~ performance of a Student in a Semester is indicated by a number called the SGPA. The SGPA is the ~~weig~~ weighted average of the grade paints obtained in all ~~the~~ the Courses.

9.5

...ात्मक एवं संकलनात्मक आकलन / योगात्मक आकलन
...orphological and

रूपात्मक आकलन

- रूपात्मक आकलन का उद्देश्य केवल यही रहता है कि छात्र के निर्माण अथवा विकास के कार्य को सही और सकारात्मक दिशा मिले।
- इसमें औपचारिक Ex. चेकलिस्ट, प्रश्नोत्तर, परीक्षण, अभ्यास कार्य, प्रदत्त कार्य एवं अनौपचारिक Ex. अवलोकन, छात्रों की टिप्पणियों, संवाद अथवा पूछे जाने वाले प्रश्नो पर ध्यान देना।
- रूपात्मक आकलन में औपचारिक और अनौपचारिक दोनो प्रकार के आकलन होते है।
- इसमें यह पता लगाया जाता है कि शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के परिणामस्वरूप छात्र के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन आ रहे है अथवा नहीं।
- कक्षा कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया के दौरान शिक्षक द्वारा शिक्षण कार्य एवं छात्र द्वारा अधिगम अर्जन के दौरान कुछ परिश्रम किया जाता है, ये परिश्रम उचित दिशा में जा रहा है अथवा नहीं, यदि रूपात्मक आकलन के परिणाम कहीं कुछ भी कमी की ओर संकेत करते हैं, तो शिक्षण और छात्र दोनो ही को ही शिक्षण एवं अधिगम विधियों था और कुछ विधियों में कमी है।
- परिमाणात्मक और गुणात्मक दोनो प्रकार की सूचनाएँ एवं आँकड़े प्रदान करके यह शिक्षक को अपने अध्यापन में अपेक्षित सुधार लाने में रूपात्मक आकलन सहायता प्रदान करता है।
- छात्रों को अपनी प्रगति के लिए शिक्षकों से उपयुक्त सहायता प्राप्त करने, उपयुक्त परामर्श प्रदान करने, छात्रों को उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करने को प्रेरित करने में रूपात्मक आकलन का विशेष योगदान रहता है।
- छात्रों के परिणात्मक और परिमाणात्मक आकलन के दौरान कार्यालय में स्थायी रूप से रिकॉर्ड, फेल-पास करने, ग्रेडिंग करने, छात्रों के बिच तुलना करने एवं आपण सम्बन्धी कोई भी स्थायी अभिलेख रूपात्मक आकलन में नहीं रखी जाती है।
- रूपात्मक आकलन में 3 बाते सम्मलित है :— 1. अनुदेशन प्रदान करने 2. अनुदेशन की क्रियान्वयन एवं 3 पाठ के पढ़ने के अवस्था में इस प्रकार का आकलन किया जाता है।
- रूपात्मक आकलन से छात्रों को अपनी प्रगति एवं उद्देश्यों की प्राप्ति कहाँ तक हुई है इसकी जानकारी मिलती है।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया उचित ढंग से आगे बढ़ रही है अथवा नहीं यह जानकारी अतिशीघ्र और उचित ढंग से मिल जाती है।

* संकलनात्मक आकलन / योगात्मक आकलन

- कक्षा कक्ष के दौरान सम्पूर्ण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के अन्तर्गत शैक्षिक लक्ष्यों विद्यार्थियों ने कितने लक्ष्यों और विषय वस्तु की प्राप्ति किस सीमा तक की है यह संकलनात्मक आकलन के द्वारा आकलन, ज्ञात करने का प्रयास किया जाता है।
- कभी-कभी शिक्षण प्रक्रिया के दौरान शिक्षण एवं शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता की जाँच दोनों (शिक्षक, छात्र) को प्रभावशीलता की जाँच भी हो जाती है। और इस आकलन से छात्रों की उपलब्धि की जाँच भी हो जाती है।
- संकलनात्मक आकलन में पक्षा कक्ष या सम्पूर्ण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के आकलन परिणामों का छात्रों की परस्पर तुलना करने, फेल-पास करने, मेरिट सूची बनाने, डिवीजन, ग्रेड, प्रमोशन आदि के बारे में निर्णय लेने आदि कार्यों में उचित प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है।
- संकलनात्मक आकलन के परिणामों को विद्यालय के स्थाई कार्यालय के रिकॉर्ड में रखा जाता है और इसी से सम्बन्धित सूचनाएँ प्रगति-पत्र में दर्ज की जाती हैं।
- कक्षा कक्ष के में पढ़ाते वर्ष इनका प्रयोग नहीं किया जाता, इसे अंतिम रूप से पाठ अथवा इकाई शिक्षण के उपरान्त ही किया जाता है।
- पाठ अथवा अधिगम इकाई के शिक्षण - अधिगम के परिणामस्वरूप छात्रों द्वारा की जाने वाली अन्तिम प्रगति का चित्र संकलनात्मक आकलन द्वारा ही प्राप्त होता है।
- सम्पूर्ण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में छात्रों की उपलब्धि का औपचारिक परीक्षण अन्तर्निहित रहता है।
- संकलनात्मक आकलन का कार्य पाठ अथवा इकाई विशेष में शिक्षण अथवा अनुदेशन के उपरान्त किया जाता है। और इसमें यह पता लगाया जाता है कि पाठ के शिक्षण - अधिगम के द्वारा छात्रों के व्यवहार में कैसे परिवर्तन आए, अधिगम की दृष्टि से उनको क्या कुछ उपलब्ध हुआ है।
- संकलनात्मक आकलन में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों ही प्रकार की तकनीक एवं विधियों का प्रयोग किया जाता है।

औपचारिक	अनौपचारिक
i. शिक्षक निर्मित एवं मानकीकृत परीक्षण	i. अवलोकन
ii. प्रश्नावली	ii. समूह चर्चा
iii. रेटिंग	iii. छात्रों द्वारा की गयी टिप्पणी दिए गए उत्तर दिए जाने वाले कार्य आदि।
iv. स्केल	
v. अभिव्यास	
vi. परियोजना	

- रेटिंग स्केल का प्रयोग संकलनात्मक आकलन में किया जाता है
- रेटिंग स्केल का चित्र बनाना है।